हिंदी दैनिक

# न्यूज़ वायरस

वर्ष : 10 अंक : 308 | देहरादून, बृहस्पतिवार, 09 जून, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखंड में जायका परियोजना की अवधि दो वर्ष बढ़ी : सुबोध उनियाल, वन मंत्री 3

# गंगा दशहरा आज, हरकी पैड़ी पर कड़ी चौकसी, डीएम-एसएसपी ने दिए निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

फाइल फोटो

गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी पर्व स्नान पर हरिद्वार में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। गंगा दशहरा स्नान बृहस्पतिवार और निर्जला एकादशी का 10 जून को है। स्नान पर्व को लेकर पुलिस-प्रशासन ने तैयारियां चाक चौबंद करने का दावा किया है। हरकी पैड़ी पर कड़ी चौकसी रहेगी। हरकी पैड़ी क्षेत्र में भीड़ नियंत्रण के लिए बुधवार शाम से बैरिकेडिंग कर दी गई। हरकी पैड़ी समेत आसपास के घाटों पर ड्रोन से निगरानी की जाएगी। बुधवार को डीएम और एसएसपी ने स्नान पर्व पर ड्यूटी करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों की ब्रिफिंग की।

कोरोनाकाल के दो साल बाद पर्व स्नानों पर भीड़ उमड़ रही है। चारधाम यात्रा होने से श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है। गंगा दशहरा और निर्जला एकादशी पर भी लाखों श्रद्धालुओं के हरिद्वार आने की संभावना है। जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय और आईजी डा. योगेंद्र सिंह रावत ने बुधवार को ऋषिकुल आयुर्वेदिक कॉलेज सभागार में दो दिनों के स्नान पर्व ड्यूटी के लिए नियुक्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ब्रीफ कर उनकी ड्यूटी समझाई। डीएम ने कहा कि नौ जून को गंगा दशहरा और 11 जून को निर्जला एकादशी है। दोनों हिंदू आस्था के बड़े पर्व हैं।

डीएम ने कहा कि श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने पर समस्त व्यवस्थाओं को चुनौती के रूप पूर्ण करना होगा। आईजी डॉ. योगेंद्र रावत ने अधीक्षक नगर को मेले का प्रभारी अधिकारी नामित किया। कहा कि समस्त जोनल एवं सेक्टर प्रभारी अपने-अपने क्षेत्र का होमवर्क पूरा कर लें। अतिरिक्त पुलिस बल की आवश्यकता होने पर नोडल अधिकारी पुलिस अधीक्षक नगर से समन्वय स्थापित करेंगे। पूर्व में जारी यातायात प्लान का सख्ती से पालन कराएंगे।

श्रद्धालुओं के वाहनों को निर्धारित पार्किंगों पर ही खड़ा करवाएंगे। किसी भी वाहन को राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अन्य मार्गों के किनारे खड़े नहीं होने देंगे। ड्यूटी पर नियुक्त पुलिस कर्मी अपने प्वाइंट को नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि अपर रोड से लेकर भीमगोड़ा जीरो जोन होगा और किसी भी तरह का वाहन प्रतिबंधित होगा। हरकी पैड़ी समेत अत्यधिक भीड़ वाले क्षेत्रों में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात रहेगा। बैठक में अपर जिलाधिकारी पीएल शाह, सिटी मजिस्ट्रेट अवधेश कुमार सिंह, एसडीएम पूरन सिंह राणा, एसडीएम भगवानपुर वैभव गुप्ता, एसडीएम लक्सर गोपाल राम बिनवाल, एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार, सचिव रेडक्रास डॉ. नरेश चौधरी आदि मौजूद थे।

गंगा दशहरा स्नान और निर्जला एकादशी पर्व स्नान के लिए मेला क्षेत्र को चार सुपर जोन, 16 जोन और 37 सेक्टर में बांटा गया है। जिलाधिकारी विनय शंकर पांडेय ने बताया कि हरकी पैड़ी एवं अन्य घाटों पर भीड़ एकत्र नहीं होने दी जाएगी। घाटों पर तैनात पुलिस कर्मी श्रद्धालुओं की भीड़ नियंत्रित करेंगे। डीएम विनय शंकर पांडेय ने सीएमओ डॉ. खगेंद्र कुमार को निर्देश दिए कि अमावस्या स्नान पर्व की तरह ही चिह्नित स्थानों पर एंबुलेंस खड़ी की जाएं। अस्पतालों में पर्याप्त जीवन रक्षक दवाएं और अन्य अवस्थापना संबंधी सुविधाएं दुरुस्त रखी जाएं।

# केदारघाटी में सीमित संख्या में उड़ान भरेंगे हेलीकाप्टर, सॉफ्टवेयर बना रहा यूकाडा

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए देश भर से आने वाले तीर्थयात्री केदार बद्री जाने के लिए हेली सेवाओं का बढ़ चढ़ कर सहारा लेते हैं। बड़ी संख्या में राज्य सरकार को राजस्व का भी मुनाफा होता है लेकिन विडंबना है कि हेली सेवाओं पर सवाल भी खूब उठते रहते हैं। लिहाज़ा अब इसको सुधारते हुए नए कदम उठाये जा रहे हैं। चारधाम यात्रा में हेली सेवाओं को तय रोस्टर के अनुसार ही नियंत्रित करने के लिए केदार घाटी में एक समय में केवल छह हेलीकाप्टर ही हवा में रहेंगे। इस व्यवस्था को पारदर्शी बनाने के लिए नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण एक ख़ास साफ्टवेयर भी तैयार कर रहा है।

चरों धामों में सबसे ज्यादा फोकस और क्राउड केदारनाथ यात्रा में ही होता है लिहाज़ा केदारघाटी में ही सबसे ज्यादा हेली सेवाओं का संचालन किया जाता है। ये भी बड़ी वजह है कि राज्य में हेली सेवा संचालन करने वाली कंपनियों पर समय-समय में नियमों का उल्लंघन करने के आरोप लगते रहे हैं। कभी तय सीमा से नीचे उड़ान पर पर्यावरण संबंधी मानकों के उल्लंघन तो कभी निर्धारित से अधिक संख्या में हेलीकाप्टर संचालन करने के आरोप लगते हैं ।

इस वर्ष केदारनाथ यात्रा में नौ हेली कंपनियां अपने हेलीकाप्टर संचालित कर रही हैं। ये हेलीकाप्टर सिरसी, फाटा, सोनप्रयाग व गुप्तकाशी से उड़ान भर रहे हैं। केदारघाटी का रास्ता संकरा है। इस कारण यहां निश्चित समय अंतराल में हवा में रहने वाले हेलीकाप्टर की संख्या तय करते हुए रोस्टर जारी किया गया है। अब इसका अनुपालन सुनिश्चित करने की तैयारी चल रही है। दरअसल, अभी केदारघाटी में कई बार तय संख्या से अधिक हेलीकाप्टर संचालित हो रहे हैं। इसकी शिकायत उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण(यूकाडा) के पास भी आई है।

ऐसे में केवल आंखों से देखकर ही इनकी संख्या का सही आंकलन नहीं हो सकता। केदारनाथ हेलीपैड पर यात्रियों को उतारने के बाद हेलीकाप्टर वापस उड़ जाते हैं। ऐसे में यह तय करना मुश्किल होता है कि घाटी में एक समय में कितने हेलीकाप्टर उड़ान भर रहे हैं। इन पर नजर रखने के लिए यूकाडा अब एक साफ्टवेयर तैयार कर रहा है। जिसके बाद न सिर्फ हवाई सेवाओं में सुरक्षा मजबूत हो सकेगी बल्कि पारदर्शिता भी नज़र आएगी।

# रेल परियोजना की टनल में विस्फोट, एक कर्मचारी की मौत और तीन घायल

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

द्रप्रयाग : रेल परियोजना के तहत रैतोली में निर्माणाधीन एडिट टनल-7 में मंगलवार शाम हुए विस्फोट में एक कर्मचारी की मौत हो गई, जबकि तीन कर्मचारी घायल हो गए। गुस्साए रेलवे कर्मचारियों व मजदूरों ने बुधवार को सुमेरपुर स्थित मेगा कंपनी के कार्यालय में जोरदार प्रदर्शन किया तथा रेल परियोजना के निर्माण कार्य को रुकवा दिया। प्रदर्शनकारियों ने मृतक आश्रित को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने व घायलों को आर्थिक सहायता देने की मांग की है।

मृतक के साथ टनल में घटना के दौरान कार्य कर रहे अनुज भट्ट ने बताया कि गत मंगलवार को सांय रैतोली एडिट टनल-7 पर वह काम कर रहे थे। उनका साथी कुरझण, विकास खंड अगस्त्यमुनि, जनपद रुद्रप्रयाग निवासी 40 वर्षीय गुड्डू भिलंगवाल विस्फोट के लिए कैप्सूल भर रहा था। टनल में ब्लास्टिंग के लिए सामग्री भी रखी थी। कुछ ही देर में ब्लास्टिंग सामग्री में अचानक विस्फोट हुआ और गुड्डू भिलंगवाल सहित तीन कर्मचारी विस्फोट की चपेट आ गए

कर्मचारियों ने घायलों को जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने घायल गुड्डू की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे हायर सेंटर श्रीनगर गढ़वाल रेफर कर दिया, अस्पताल में उपचार के दौरान गुड्डू ने दम तोड़ दिया। पोस्टमार्टम के बाद मृतक के शव को स्वजन को सौंप दिया गया। बुधवार सुबह पैतृक घाट पर मृतक का अंतिम संस्कार किया गया। फिलहाल तीनों घायल कर्मचारियों की हालत खतरे से बाहर है। वहीं मृतक के स्वजन का कहना है कि पुलसि को इस मामले में तहरीर दी जाएगी।

वहीं विस्फोट से कर्मचारी की मौत से गुस्साए साथी कर्मचारी व मजदूर बुधवार सुबह सुमेरपुर में मेगा कंपनी के कार्यालय में एकत्रित हुए और जोरदार प्रदर्शन कर निर्माण कार्य रुकवा दिया। कर्मचारी व मजदूरों ने पीड़ित परिवार को एक करोड़ रुपये मुआवजा देने व इस घटना में घायल तीन कर्मचारियों को उचित उपचार व आर्थिक सहायता देने की मांग की। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य नरेंद्र बिष्ट, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष देवेंद्र सिंह झिक्वाण, रेलवे संघर्ष समिति के अध्यक्ष नरेंद्र रावत ने कहा कि कंपनी में कर्मचारियों व मजदूरों की सुरक्षा को लेकर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही है।

# हल्द्वानी बीजेपी कार्यसमिति में निर्णय, कमज़ोर बूथ करेंगे मज़बूत

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश कार्यसमिति के दूसरे दिन वंदे मातरम के साथ ही प्रदेश कार्यसमिति का शुभारंभ हुआ. मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, सभी सांसदों सहित राज्य के सभी कैबिनेट मंत्री बैठक में मौजूद रहे। दूसरे दिन कार्यसमिति में राजनीतिक और धन्यवाद प्रस्ताव लाया गया और संगठन के आगामी 3 महीने के कार्यक्रमों की अभी से तैयारी का फैसला भी हुआ है। प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक ने कहा कि कमजोर बूथों को मजबूत करने का लक्ष्य भी पार्टी पदाधिकारियों को दिया जाएगा।

आपको यहाँ बता दें कि प्रदेश कार्यसमिति के बाद जिला और मंडल की कार्यसमिति भी आयोजित की जाएगी। प्रदेश के सभी जिलों में अगले 15 दिनों के भीतर कई बड़ी रैलियां भी आयोजित की जाएंगी। केंद्र सरकार के 8 साल पूरे होने पर धन्यवाद प्रस्ताव भी लाया जाएगा। इसके अलावा अधिक से अधिक लोगों को पार्टी से जोड़ने का संकल्प रखा जाएगा। पार्टी की इस प्रदेश कार्यसमिति के दूसरे दिन मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दूसरे कार्यकाल में बेहतर काम करने का संकल्प पत्र लाया गया और लगातार काम करने पर उनका आभार भी जताया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अपनी सकरकार की प्राथमिकताएँ और लक्ष्य के बारे में विस्तार से बताते हुए एक बेहतर राज्य बनाने के लिए विकल्प रहित संकल्प का लक्ष्य दोहराया है।

# अच्छी खबर : आरबीआई ने भुगतान के लिए क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने की दी सहमति

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बुधवार को क्रेडिट कार्ड को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) से जोड़ने की अनुमति दे दी है। इस सुविधा से और लोग इस ऐप के जरिये भुगतान कर सकेंगे। फिलहाल यूपीआई उपयोगकर्ता के डेबिट कार्ड के जरिये बचत या चालू खातों को जोड़कर भुगतान को सुगम बनाता है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि क्रेडिट कार्ड को यूपीआई से जोड़ने का प्रस्ताव है।

उन्होंने कहा कि इसकी शुरुआत आरबीआई प्रवर्तित भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) द्वारा जारी रूपे क्रेडिट कार्ड से होगी। प्रणाली के विकास के साथ सुविधा उपलब्ध होगी। दास ने कहा कि नई व्यवस्था से ग्राहकों को यूपीआई मंच के माध्यम से भुगतान करने के लिए अधिक विकल्प और सुविधा मिलने की उम्मीद है। यूपीआई देश में भुगतान का लोकप्रिय माध्यम बन गया है. इस मंच से करीब 26 करोड़ उपयोगकर्ता और पांच करोड़ कारोबारी जुड़े हैं।

दास ने कहा कि मई महीने में इस मंच के जरिये 10.40 लाख करोड़ रुपये के 594.63 करोड़ लेन-देन हुए। उन्होंने कहा कि प्रीपेड भुगतान उत्पादों (पीपीआई) के उपयोग को व्यापक बनाने की सुविधा से भुगतान को लेकर पीपीआई की यूपीआई भुगतान प्रणाली तक पहुंच सुगम हुई है।.

# जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट विस्तारीकरण पर डीएम डॉ आर राजेश कुमार ने दिए निर्देश

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

जौलीग्रान्ट एयरपोर्ट विस्तारीकरण के संबंध में जिलाधिकारी डॉ0 आर राजेश कुमार की अध्यक्षता में बुधवार को प्रभागीय वनाधिकारी , देहरादून अपर सचिव यूकाडा और उप जिलाधिकारी डोईवाला के साथ कैंप कार्यालय में बैठक आहूत की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को एयरपोर्ट विस्तारीकरण के संबंध में अब तक की गई कार्यवाही की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को एयरपोर्ट के विस्तारीकरण के संबंध में भारत सरकार की अपेक्षाओं/निर्देशों के क्रम में आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी नीतिशमणी त्रिपाठी, अपर सचिव यूकार्डा जितेन्द्र कुमार, उप जिलाधिकारी डोईवाला युक्ता मिश्रा सहित संबंधित अधिकारी/कार्मिक उपस्थित रहे।

# उत्तराखंड में जायका परियोजना की अवधि दो वर्ष बढ़ी : सुबोध उनियाल, वन मंत्री

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में जापान इंटरनेशनल को-आपरेशन एजेंसी (जायका) के सहयोग से चल रही जायका परियोजना की अवधि दो वर्ष बढ़ा दी गई है। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने वन मुख्यालय में हुई जायका परियोजना की समीक्षा बैठक के बाद यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से चल रही 807 करोड़ की परियोजना इस वर्ष जुलाई में खत्म होनी थी, लेकिन पिछले दो साल कोरोना संकट के कारण कार्य बाधित रहे। इसे देखते हुए केंद्र सरकार ने इसकी अवधि दो वर्ष बढ़ा दी है। वन मंत्री उनियाल ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत राज्य के वन क्षेत्रों में भूस्खलन की रोकथाम, वन पंचायतों और वन क्षेत्रों से लगे गांवों में आजीविका विकास, जल व मृदा संरक्षण जैसे कार्य किए जा रहे हैं।अब तक 66 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि जायका की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि परियोजना के शेष रह गए कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द पूर्ण कराया जाए। उन्होंने जल संरक्षण से संबंधित कार्यों को अधिक महत्व देने पर जोर दिया।वन मंत्री के अनुसार अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए गए हैं कि वन पंचायतों में आजीविका विकास के

मद्देनजर पौधालयों की स्थापना पर ध्यान केंद्रित किया जाए। यह सुनिश्चित होना चाहिए कि इन पौधालयों से पौधों की खरीद विभाग स्वयं करे। उन्होंने बताया कि अधिकारियों से यह ब्योरा भी मांगा गया है कि परियोजना के अंतर्गत वन पंचायतों में जल एवं मृदा संरक्षण संबंधी कार्यों से कृषि एवं सिंचाई व्यवस्था में कितना सुधार हुआ है।

# आज घोषित होगा उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड का परीक्षा परिणाम

## संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की उपस्थिति में जारी होगा रिजल्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड का परीक्षा परिणाम 9 जून को घोषित होगा। सूबे के संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत अपराह्न 3 बजे पूर्व मध्यमा (हाईस्कूल), एवं उत्तर मध्यमा (इंटरमीडिएट) का परीक्षाफल जारी करेंगे । इसके उपरांत परीक्षाफल को विभाग की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा। जहां से सुविधानुसार छात्र-छात्राएं अपना परीक्षा परिणाम देख सकेंगे।

उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशक एस.पी.खाली ने बताया कि आज गुरुवार को अपराह्न तीन बजे उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा बोर्ड की पूर्वमध्यमा द्वितीय (हाईस्कूल), एवं

■ कोव1546 छात्र-छात्राओं ने दी है संस्कृत शिक्षा बोर्ड की परीक्षाएं

उत्तरमध्यमा द्वितीय (इंटरमीडिएट) के परीक्षाफल जारी किये जायेंगे। उन्होंने बताया कि सूबे के संस्कृत शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की उपस्थिति में शिक्षा निदेशालय देहरादून में संस्कृत शिक्षा बोर्ड के रिजल्ट घोषित किये जायेंगे। जिसके उपरांत परीक्षा परिणामों को विभाग की अधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कर दिया जायेगा। जहां से छात्र-छात्राएं एवं उनके अभिभावक अपनी सुविधानुसार परीक्षा परिणाम देख सकेंगे।

संस्कृत शिक्षा निदेशक ने बताया कि इस वर्ष परिषदीय परीक्षा-2022 के अंतर्गत पूर्वमध्यमा द्वितीय (हाईस्कूल) में कुल 702 छात्र-छात्राएं पंजीकृत थी। जिसमें बालकों की संख्या 632 एवं बालिकाओं की संख्या 70 थी। ऐसे ही उत्तरमध्यमा द्वितीय (इंटरमीडिएट) में कुल 844 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। जिसमें से 779 बालक और 65 बालिकाएं थी। उन्होंने बताया कि शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत के मार्गदर्शन में इस वर्ष की परिषदीय परीक्षा को तय समय सीमा के अंतर्गत पूरा कर दिया गया है। छात्र-छात्राओं की परीक्षाओं का मूल्यांकन कर पारदर्शिता के साथ परीक्षा परिणाम तैयार कर दिया है, जिसे मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत की उपस्थिति में घोषित कर दिया जायेगा।

# ऋषिगंगा में जल विद्युत परियोजना की टनल में चार और शव बरामद

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

जोशीमठः चमोली जिले के एनटीपीसी की निर्माणाधीन तपोवन विष्णुगाड जल विद्युत परियोजना की टनल में चार और शव बरामद हुए हैं। वहीं अब तक मिलने वाले मृतकों की संख्या 139 हो गई है।

वर्ष 2021 में फरवरी माह में ऋषिगंगा में जल प्रलय आने से क्षेत्र में व्यापक नुकसान के साथ जनहानि भी हुई थी। इस हादसे में ऋषिगंगा पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके अलावा एनटीपीसी के निर्माणाधीन तपोवन विष्णुगाड जलविद्युत परियोजना की टनल में भी काफी मलबा भर गया। प्रोजेक्ट को व्यापक नुकसान होने के अलावा यहां कुल 206 व्यक्तियों ने अपनी जान गंवाई थी। तकरीबन डेढ़ साल बाद भी इन टनल की सफाई का कार्य चल रहा है। बुधवार को टनल से चार सिर मिले। टनल में लापता हुए लोगों में से अब तक मिलने वाले मृतकों की संख्या 139 हो गई है।जबकि 68 लोग अभी भी लापता चल रहे हैं।

मंगलौरः मंगलौर कोतवाली पुलिस ने गंगनहर से एक युवक का शव बरामद किया है। युवक के शव की शिनाख्त नीरज निवासी राजेपुर, जिला चंपारण बिहार के रूप में हुई। युवक के परिचित ने बताया कि बहादराबाद में चार जून को गंगनहर में नहाते हुए नीरज डूब गए थे।

# वजिलेंस की टीम ने कानूनगो को दस हजार की रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

डोईवाला : डोईवाला तहसील में तैनात कानूनगो मोतीलाल को विजिलेंस की टीम ने तहसील में दस हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। इस दौरान विजिलेंस की टीम ने तहसील परिसर में ही कई घंटे तक आरोपित से पूछताछ की। वहीं कानूनगो के हरिद्वार स्थित घर में भी एक टीम सर्चिंग के लिए गई थी।

पुलिस अधीक्षक सतर्कता सेक्टर देहरादून रेनू लोहानी ने बताया कि दो जून को एक शिकायतकर्ता ने विजिलेंस के टोल फ्री नंबर 1064 पर कानूनगो मोतीलाल की ओर से 10 हजार रुपये रिश्वत मांगे जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत की गोपनीय जांच कराने पर पता चला कि शिकायतकर्ता की माता ने अपने दो भूखंडों को कृषि भूमि से अकृषक भूमि कराने के लिए धारा 143 एलआर एक्ट के तहत 31 अक्टूबर को आवेदन किया था। दोनों रकबों की अलग-अलग पत्रावली पर रिपोर्ट लगाने के लिए उन्होंने कई बार कानूनगो मोतीलाल से संपर्क किया गया। जिस पर कानूनगो मोतीलाल ने प्रति फाइल पांच हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायत सही पाए जाने के बाद विजिलेंस टीम ने आरोपित को पकडने के लिए योजना बनाई। योजना के तहत बुधवार सुबह करीब साढ़े ग्यारह बजे शिकायतकर्ता ने कानूनगो को 10 हजार रुपये रिश्वत के दिए। उसके तुंरत बाद विजिलेंस टीम ने न्यू शिव मार्केट शास्त्री नगर, ज्वालापुर ,हरिद्वार निवासी कानूनगो मोतीलाल को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसके बाद विजिलेंस टीम ने कक्ष में मौजूद सभी लोग को बाहर कर दरवाजा बंद कर लिया और शाम करीब छह बजे तक आरोपित से पूछताछ की।

# पीएम मोदी की नाराज़गी के बाद शुरू हुआ केदारनाथ में सफाई अभियान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

स्वच्छ भारत अभियान कार्यक्रम के तहत श्री केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था किए जाने तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से केदारनाथ धाम एवं यात्रा मार्ग में आज दसवें दिन भी लगातार विशेष स्वच्छता अभियान जारी रहा। केदारनाथ यात्रा मार्ग एवं केदारनाथ धाम में पर्यावरण के संरक्षण के लिए बेहतर साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराए जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने सुलभ संस्था, जिला पंचायत एवं नगर पंचायत केदारनाथ को विशेष स्वच्छता अभियान चलाये जाने के निर्देश दिए गए हैं ताकि केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग साफ एवं स्वच्छ रहे और पर्यावरण को भी कोई नुकसान न हो।

जिलाधिकारी के निर्देशों के बाद केदारनाथ धाम व यात्रा मार्ग में नगर पंचायत केदारनाथ एवं सुलभ संस्था द्वारा आज दसवें दिन भी लगातार विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस आशय की जानकारी देते हुए सहायक निदेशक शहरी विकास विनोद ने बताया कि केदारनाथ धाम में एवं नदी के किनारों में विशेष सफाई अभियान चलाया गया जिनके किनारों से प्लास्टिक अपशिष्ट व कूड़ा एकत्रित किया गया। इस अभियान के दौरान लगभग 02 क्विंटल कूड़ा एकत्रित किया गया जिसके निस्तारण की उचित कार्यवाही की जा रही है। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार ने बताया कि जिला पंचायत द्वारा आज दसवें दिन भी लगातार सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें केदारनाथ यात्रा मार्ग बैरांगना, मैखंडा, फाटा हैलीपैड़, मैन बाजार फाटा आदि क्षेत्रों में पर्यावरण मित्रों द्वारा बिसलेरी की बोतल, पॉलीथीन एवं कचरा एकत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि विशेष स्वच्छता अभियान के तहत लगभग 03 क्विंटल कूड़ा एकत्रित किया गया जिसके उचित निस्तारण की कार्यवाही की जा रही है।

# 'विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस' : मैक्स देहरादून की एक्सपर्ट्स टीम ने दी ब्रेन ट्यूमर से जुडी अहम जानकारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्रेन ट्यूमर तेजी से युवा और बूढ़े समान रूप से प्रभावित कर रहे हैं। ये घातक और सौम्य हो सकते हैं। मैक्स अस्पताल की मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज, देहरादून (MIND) के विशेषज्ञों ने 'विश्व ब्रेन ट्यूमर दिवस' पर जागरूकता पैदा करने के लिए डॉ. (ब्रिगेडियर) एच.सी. पाठक, वीएसएम, एसोसिएट डायरेक्टर-न्यूरोसर्जरी, MIND, डॉ. आनंद मोहन ठाकुर, सीनियर कंसल्टेंट न्यूरोसर्जरी, MIND, डॉ. कुंज बिहारी सारस्वत, कंसल्टेंट, न्यूरोसर्जरी, MIND और डॉ संदीप सिंह तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट-ऑपरेशंस एंड यूनिट हेड मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल ने देश प्रदेश की जनता के बीच जागरूकता सन्देश पहुंचाःने के लिए मीडिया के ज़रिये कई अहम बातें कही है।

इस दौरान डॉ. (ब्रिगेडियर) एच.सी. पाठक, वीएसएम, एसोसिएट डायरेक्टर-न्यूरोसर्जरी, (MIND), मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने कहा, ₹हमारे शरीर के सभी महत्वपूर्ण कार्य जैसे खाने, बोलने तथा चलने आदि और हमारी सभी भावनाएं, प्यार से नफरत तक, मस्तिष्क, रीढ़ की हड्डी और तंत्रिकाओं द्वारा नियंत्रित होती हैं जो घनिष्ठ रूप से जुड़ी होती हैं। खोपड़ी के अंदर ऊतकों की असामान्य वृद्धि से ₹ट्यूमर₹ का निर्माण होता है जो कि सामान्य ऊतकों को नष्ट करने और उन पर दबाव का कारण बनता है।₹लगातार सिरदर्द सहित लक्षणों की शुरुआती पहचान फायदेमंद हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि इससे इलाज के नतीजे और मरीजों की रिकवरी में काफी सुधार होता है।

आगे बताते हुए, डॉ. ए.एम.ठाकुर, सीनियर कंसल्टेंट, न्यूरोसर्जरी, MIND ने कहा, ₹ ये ट्यूमर घातक (कैंसर) या सौम्य (गैर-घातक) हो सकते हैं। घातक ब्रेन ट्यूमर, ज्यादातर, ब्रेन मैटर (आंतरिक) से उत्पन्न होते हैं और इसे केवल समय की परिवर्तनशील अवधि के लिए नियंत्रित किया जा सकता है जिसके लिए उपलब्ध उपचारों के विभिन्न तौर-तरीकों (सर्जरी के बाद रेडियोथेरेपी और कीमोथेरेपी) का उपयोग करके नियंत्रित किया जाता है। दूसरी ओर, सौम्य ट्यूमर, ज्यादातर मस्तिष्क (बाहरी) के आसपास की संरचनाओं से उत्पन्न होते हैं। उन्हें एक ऐसी तकनीक के माध्यम से शल्य चिकित्सा द्वारा सफलतापूर्वक हटाया जा सकता है जो कीहोल सर्जरी के रूप में जानी जाती है और निशान नहीं छोड़ती है।

हाल ही में आये एक केस के बारे में , न्यूरोसर्जरी के सलाहकार, डॉ कुंज बिहारी सारस्वत ने बताया , "मैक्स इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूरोसाइंसेज (MIND) में एक 44 वर्षीय महिला ने न्यूरोसर्जरी ओपीडी से संपर्क किया, जिनको कि पिछले तीन वर्षों से दाहिनी आंख में देखने की क्षमता घटने के साथ-साथ सिरदर्द की शिकायत भी थी। उनके मस्तिष्क के एमआरआई के माध्यम से जांच करने पर, हमें नाक और कक्षीय गुहाओं के ऊपर एक बड़ा ट्यूमर मिला, जो दाईं ओर की ऑप्टिक तंत्रिका को संकुचित कर रहा था। इस अत्यंत जटिल मामले को हमने सुप्राऑर्बिटल कीहोल विधि का उपयोग करके उस ट्यूमर को हटा दिया। हमने मरीज को सिर्फ एक रात के लिए आईसीयू में रखा और अगली सुबह उसे कमरे में शिफ्ट कर दिया और सर्जरी के तीसरे दिन उसे हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी।" कीहोल सर्जरी न्यूनतम इनवेसिव होती है

और इसे छोटे चीरों या बिना चीरे के किया जा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप सर्जरी के बाद बेहतर परिणाम मिलते हैं और साथ ही मरीज की सर्जरी के बाद की होने वाली चिंताओं का समाधान भी हो जाता है।

डॉ. संदीप सिंह तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट - ऑपरेशन्स एंड यूनिट हेड, मैक्स सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल देहरादून ने कहा कि, ₹ब्रेन ट्यूमर का अक्सर, जागते समय ऑपरेशन किया जाता है ताकि मरीज सर्जन को यह पता लगाने में मदद मिल सके कि शरीर के अन्य अंग काम कर रहे है या मरीज बोलने में समर्थ है। MIND में, हम रोगी की सुरक्षा को अधिकतम करने और यथासंभव कुल निष्कासन सुनिश्चित करने के लिए तीन तरीकों, न्यूरोनेविगेशन, इंट्राऑपरेटिव इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी और जागृत क्रैनियोटॉमी का उपयोग उपचार करने के लिए करते हैं।

# जिसके खेल से खिले दिल गूंजी ताली शुक्रिया आपको बेमिसाल 'मिताली'

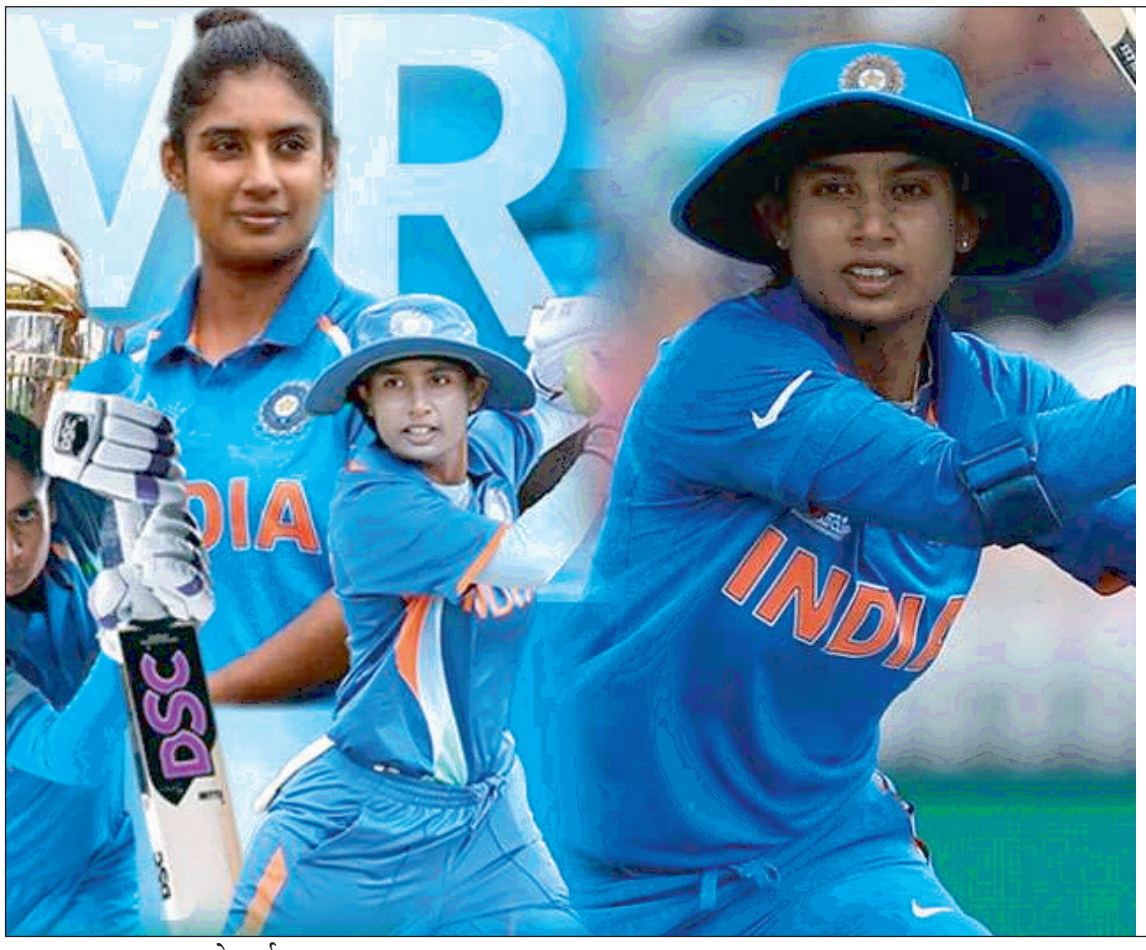

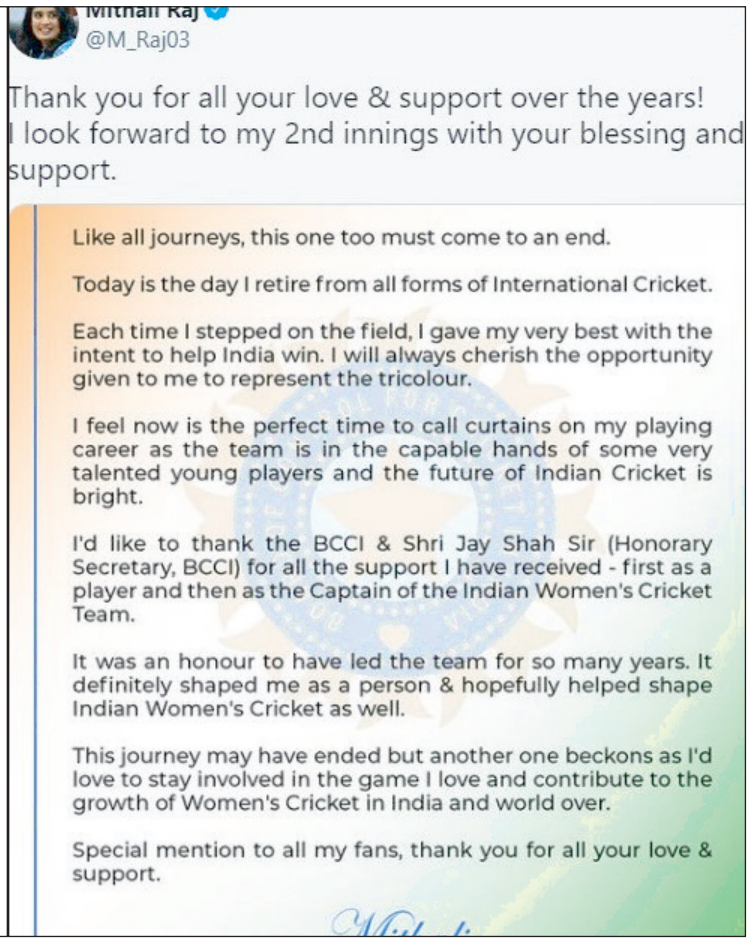


**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

भारतीय क्रिकेट में अपना सपना साकार करने के लिए लाखों लड़कियां जिस धाकड़ वीमेन क्रिकेटर की खूबियों को अपनाने में दिन रात पसीना बहा रही है उन खिलाडियों के लिए बुधवार का दिन किसी मायूस दिन से कम नहीं रहा। इस दिन उनकी ही नहीं करोड़ों भारतीय क्रिकेट प्रेमियों की चहेती क्रिकेट स्टार मिताली राज ने अपना क्रिकेट किट हमेशा के लिए पैक कर दिया है। जी हाँ उन्होंने एक ट्वीट किया है जिसमें लिखा है कि वो क्रिकेट को अब अलविदा कह कर नयी पारी शुरू करेंगी। आपको बता दें कि मिताली वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली महिला बल्लेबाज हैं। उन्होंने 232 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया और 50.68 की औसत से 7805 रन बनाए। इसके अलावा मिताली ने 12 टेस्ट मैच भी खेले हैं। इसमें उन्होंने 19 पारियों में 43.68 की औसत से 699 रन बनाए।

भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर मिताली राज ने क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा की। संन्यास का एलान करते हुए मिताली ने कहा- इतने सालों तक टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात है। इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनाया और उम्मीद है कि इससे भारतीय महिला क्रिकेट को भी आगे बढ़ने में मदद मिली। मिताली ने इसी साल न्यूजीलैंड में हुए महिला वनडे विश्व कप में अपना आखिरी मैच खेला था। उन्होंने टूर्नामेंट में सात मैचों में 26 की औसत और 62.97 के स्ट्राइक रेट से 182 रन बनाए थे। हालांकि, वह टीम इंडिया को खिताब नहीं दिला पाईं। मिताली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच खेला और उसमें 68 रन की पारी खेली थी। भारतीय टीम राउंड रॉबिन फॉर्मेट से ही बाहर हो गई थी।

39 साल की मिताली ने 23 साल के अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत करते हुए लिखा- वर्षों से आपके प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद! मैं आपके आशीर्वाद और समर्थन से अपनी दूसरी पारी शुरू करने की तैयारी कर रही हूं। न्यूज़ वायरस समूह भी देश की इस होनहार बेटी को उनके अद्भुत खेल और बेमिसाल कामयाबी के लिए बधाई देता है।

# कैंसर की 100% कारगर दवा मिली, कीमो-रेडिएशन की जरूरत नहीं

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

वैज्ञानिकों को कैंसर के इलाज में बड़ी कामयाबी मिलती नजर आ रही है। हाल ही में रेक्टल कैंसर (मलद्वार का कैंसर) के कुछ मरीजों पर डॉस्टरलिमैब दवा का क्लिनिकल ट्रायल किया गया। इससे सिर्फ 6 महीने में ही कैंसर का ट्यूमर पूरी तरह खत्म हो गया। यह रिसर्च न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित हुई है।

कैंसर की 100% कारगर दवा से जुड़े कुछ जरूरी सवाल-जवाब...

सवाल- इसे ट्रायल के बाद आम मरीजों के लिए कब से इस्तेमाल किया जाएगा?

जवाब- अभी यह ट्रायल फेज में है। आम लोगों के लिए कब से यह बाजार में उपलब्ध होगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है।

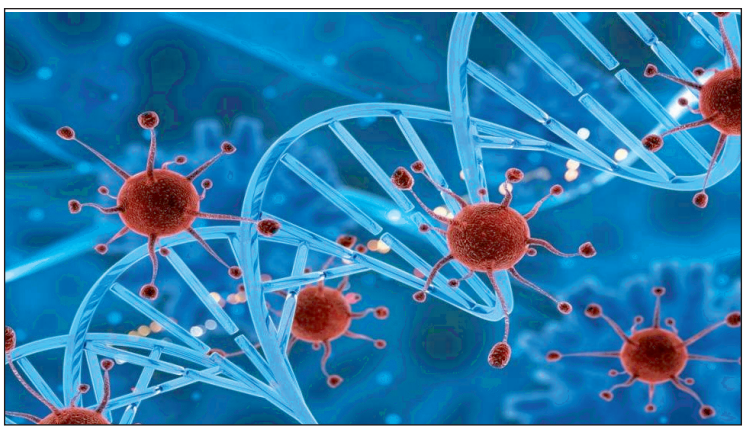

सवाल- क्या यह दवा भारत में उपलब्ध है?

जवाब- यह खुले बाजार में मौजूद नहीं है, लेकिन दवाइयों के ऑनलाइन मार्केट में उपलब्ध है।

सवालः इस ड्रग की लागत कितनी है?

जवाबः ड्रग के एक डोज की कीमत 11,000 डॉलर यानी 8.5 लाख रुपए है। भविष्य में ज्यादा प्रोडक्शन होने के बाद भी इसका किफायती होना मुश्किल है।

सवालः क्या इससे सभी तरह के कैंसर का इलाज मुमकिन है?

जवाबः फिलहाल इस ड्रग को सिर्फ एंडोमीट्रियल कैंसर के लिए इस्तेमाल किया जाता है।इतिहास में पहली बार कोई दवा 100% कारगर

स्टडी के लेखक डॉ. लुइस ए डियाज का कहना है कि कैंसर के इतिहास में पहली बार किसी दवा से सभी मरीज ठीक हुए। आज तक ऐसी कोई दवा या इलाज नहीं बना जिससे कैंसर का सफाया हो जाए। भले ही यह स्टडी छोटी है, लेकिन इस जानलेवा बीमारी के खिलाफ बड़ी कामयाबी है। वहीं, यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया के डॉ. एलन पी विनूक ने कहा कि किसी कैंसर रिसर्च में हर एक मरीज का ठीक हो जाना अपने आप में नई बात है।

**पहले कीमोथैरेपी और सर्जरी कराई, लेकिन फायदा नहीं हुआ**

न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, सभी मरीज क्लिनिकल ट्रायल से पहले कीमोथैरेपी, रेडिएशन और इनवेसिव सर्जरी जैसे इलाज करा चुके थे। साइड इफेक्ट के तौर पर उन्हें यूरीन, बॉवेल और सेक्स से जुड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि, किसी भी मरीज में डॉस्टरलिमैब ड्रग का कोई साइड इफेक्ट नहीं दिखा।

# कर्तव्य के साथ मानवता को चमोली पुलिस ने खूबसूरत लम्हे में बदला

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

बुधवार को सूरज सिंह पुत्र जय दयाल निवासी कपूरथला पंजाब उम्र 62 वर्ष अपने पुत्र के साथ श्री हेमकुंड साहिब यात्रा पर आये थे। घांघरिया पहुँचते ही उनका ब्लड प्रेशर हाई व तबीयत अचानक खराब होने लगी। जिसपर उन्हें तत्काल डॉक्टर को दिखाया गया। जहाँ डॉक्टर द्वारा उन्हें गोविन्दघाट जाकर चिकित्सक को दिखाने का परामर्श दिया। जिस पर तत्काल चौकी पुलिस द्वारा सूरज सिंह को कंडी की व्यवस्था करवाकर परिवार सहित गोविन्दघाट अस्पताल भिजवाया गया। परिजनों द्वारा जनपद चमोली पुलिस का हार्दिक आभार प्रकट किया गया।

# केदारनाथ यात्रा में घोड़े खच्चरों की मौत पर HC सख्त, सरकार से मांगा जवाब

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

प्रदेश की सबसे बड़ी पहचान है चार धाम यात्रा लेकिन अलग अलग वजहों से बीते कुछ दिनों में इस विश्व प्रसिद्ध यात्रा पर अलग अलग मंच से सवाल खड़े हो रहे हैं। इस बीच उत्तराखंड हाईकोर्ट ने केदारनाथ यात्रा के दौरान हो रही घोड़े खच्चरों की मौत के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की है। बीते कुछ दिनों से सुर्ख़ियों में आ रहे मामले को सुनने के बाद कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजय कुमार मिश्रा व न्यायमूर्ति आरसी खुल्बे की खंडपीठ ने चारों धामों के जिलाधिकारियों, पशुपालन विभाग सहित राज्य सरकार को नोटिस जारी कर 2 सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है इसके साथ ही कोर्ट ने अहम निरनय सुनाते हुए यात्रा को सुरक्षित तरीके से चलाने के लिए एक कमेटी का गठन करने को कहा है। आपको यहाँ बता दें कि इस मामले की अगली सुनवाई 22 जून को होगी।

मामले के अनुसार पशु प्रेमी गौरी मौलखी ने उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि उत्तराखंड के तीर्थ स्थलों में 20,000 से ज्यादा घोड़े खच्चरों को यात्रियों का सामान ढोने और यात्रा के लिए प्रयोग किया जा रहा है. जिसमें से अधिकतर घोड़े खच्चर बीमार हैं. इन घोड़े खच्चरों में आवश्यकता से अधिक बोझ लादा जा रहा है. यात्रा मार्ग पर इन घोड़े खच्चरों की जांच के लिए न ही पशु चिकित्सक हैं और ना ही चारे, पानी व छप्पर की कोई उचित व्यवस्था है।

घोड़े खच्चरों की मौत से उठे बवाल के बाद उत्तराखंड में पशुपालन मंत्री सौरभ बहुगुणा ने केदारनाथ धाम का दौरा कर यात्रा मार्ग के सोनप्रयाग , गौरीकुंड में मौजूद व्यवसायियों से यात्रा मार्ग में मर रहे घोड़े खच्चरों के बारे में जानकारी ली थी... इसके बाद सौरभ बहुगुणा ने ट्वीट के जरिए कहा था कि उनके दौरे के बाद हालात में जमीन-आसमान का फर्क आया है. लेकिन अब मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल्स के सदस्यों ने केदारनाथ यात्रा का जायजा लेने के बाद सरकार पर सवाल खड़े किए हैं.ऐसे में देखना होगा कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार की सबसे महत्वपूर्ण चार धाम यात्रा के दौरान आ रही इन ख़बरों के बीच कितना बड़ा सुधार और व्यवस्थाओं में बदलाव दिखाई देता है।

# स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे जन-स्वास्थ्य कार्यक्रमों में आशा कार्यकत्रियों की अहम भूमिका

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

देहरादूनः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत कम्यूनिटी प्रोसेस (आशा कार्यक्रम) की दो दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक 8 जून को कार्यालय मिशन निदेशक के सभागार कक्ष में डॉ. सरोज नैथानी, निदेशक, एनएचएम की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

इस समीक्षा बैठक में उत्तराखंड के समस्त जनपदों के आशा कार्यकर्ता के कम्युनिटी मोबिलाइजर एवं ब्लॉक कोऑर्डिनेटर द्वारा प्रतिभाग किया गया। बैठक में समस्त जनपदों के द्वारा संचालित किए जा रहे आशा कार्यक्रमों, एचबीएनसी, एचबीवाईसी, टीकाकरण परिवार नियोजन, इत्यादि कार्यक्रमों में आशा कार्यकत्रियों की भूमिका तथा उनके द्वारा सम्पादित की जा रही गतिविधियों की जनपदवार समीक्षा की गई।बैठक में डॉ. सरोज नैथानी द्वारा बताया गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत संचालित समस्त कार्यक्रमों को सुचारू संचालन हेतु आशा कार्यकत्रियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। जिसमें उनके द्वारा संपादित किए गए कार्यों का मूल्यांकन एवं अनुसरण करना अत्यन्त आवश्यक है।निदेशक, एनएचएम के द्वारा समस्त जनपदों के कम्युनिटी मोबिलाइजर के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन में संचालित किए जा रहे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया गया तथा यह निर्देशित किया गया कि आशा कार्यकत्रियों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कार्यक्रमों में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए तथा समय-समय पर उनके कार्यों का मूल्यांकन भी सहयोगात्मक सुपरविजन के आधार पर किया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक कम्युनिटी मोबिलाइजर अपने सम्बंधित जनपद के प्रत्येक विकासखण्ड के आशा कार्यकत्री के क्षेत्र में क्षेत्र भ्रमण अनिवार्य रूप से करें। बैठक में आशा कार्यक्रम के राज्य प्रभारी अधिकारी डॉ. अजय कुमार, सीमा मेहरा, सूरत सिंह तोमर, डॉ. प्रेरणा पायल, सुनील पैन्यूली, आदि मौजूद थे।

# दुनिया को चौकाने आ रहे हैं बॉडीगार्ड चूहे 'हीरो रेट्स' - ये है खूबियां

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

अगर आप चूहों को देखकर भागते हैं , चूहे आपके घर में रोजाना नुकसान करते हैं , और आप उन्हें पकड़कर राहत महसूस करते हैं तो अब रुक जाइये और न्यूज़ वायरस की इस खबर को पढ़ लीजिये। जी हाँ , यही बदमाश चूहे अब मुसीबत में आपकी जान बचने वाले हैं।

पहाड़ी राज्य उत्तराखंड हो या जापान , चाइना और नेपाल , जहाँ भी आपदा या भूकंप आता है तो रेस्क्यू ऑपरेशन सबसे बड़ी चुनौती होता है ऐसे में भूकंप आने पर मलबे में दबे लोगों से कॉन्टैक्ट कर पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। लिहाज़ा अब यही चूहे यानी सर्वाइवर की मदद करने के लिए अफ्रीका के वैज्ञानिकों और अपोपो नाम के एक NGO ने चूहों को ट्रेनिंग देना शुरू कर दिया है। अपनी पीठ पर बैग टांगे ये चूहे रेस्क्यू टीम की मदद कर खतरे में फंसे लोगों की जान बचा सकेंगे। रिसर्च को लीड कर रहीं डॉ. डोना कीन का कहना है कि अब तक 7 चूहों को इस प्रोजेक्ट के लिए ट्रेनिंग दी जा चुकी है। सिर्फ 2 हफ्ते में ही इन्होंने तेजी से सब कुछ सीख लिया। अपोपो की वेबसाइट के मुताबिक, ये चूहे अफ्रीका में मिलने वाली पाउच्ड रैट्स प्रजाति के हैं। इनका नाम 'हीरो रैट्स' रखा गया है।

जानकारी के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट के लिए चूहों को इसलिए चुना गया, क्योंकि इन्हें ट्रेनिंग देना बड़ा आसान होता है। साथ ही इनकी सूंघने की क्षमता ज्यादा होती है। चूहे औसतन 6 से 8 साल जीते हैं और इन्हें खिलाना-पिलाना किफायती होता है। ये छोटी सी छोटी जगह में भी आसानी से घुस जाते हैं और ज्यादातर बीमारियों से बचने में कामयाब होते हैं। डॉ. कीन के अनुसार, चूहों के बैग में माइक्रोफोन, वीडियो डिवाइस और लोकेशन ट्रैकर रखा गया है। इसके जरिए रेस्क्यू टीम मलबे में दबे लोगों को ढूंढकर, उनसे बातचीत कर उनकी हालत का पता लगा सकेगी। फिलहाल चूहों को नकली मलबे में इस चीज की ट्रेनिंग दी जा रही है। बहुत जल्द इन्हें तुर्की जाने का मौका मिलेगा, क्योंकि वहां आए दिन भूकंप आने की घटनाएं होती रहती हैं।

डॉ. कीन कहती हैं कि चूहों का नाम बेमतलब ही खराब है। लोग इन्हें गंदगी फैलाने वाला जानवर समझते हैं, लेकिन चूहे बहुत स्मार्ट होते हैं। ये फटाफट नई स्किल्स सीखकर हमें चौंका सकते हैं। फिलहाल हीरो रैट्स भूकंप ही नहीं, बल्कि टीबी और ब्रूसिलोसिस नाम की बीमारी का सूंघकर पता लगाने की भी ट्रेनिंग ले रहे हैं। कुल मिलकर 170 चूहे इन सभी प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। तो है न कमाल की तैयारी , इसीलिए तो कहा जाता है कि कुदरत की बनाई हर कारीगरी की एक ख़ास अहमियत है , ज़रूरत उसके सही इस्तेमाल की है जो अब चूहों के मामले में फिट बैठती दिख रही है।

# संपादकीय

## रक्षा आधुनिकीकरण

रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए भारत ने दो वर्षों में 310 प्रकार के विभिन्न हथियारों और प्रणालियों के आयात पर चरणबद्ध प्रतिबंध लगाया है. इसी दिशा में रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने 76,390 करोड़ रुपये के स्वदेशी सैन्य हार्डवेयर खरीद को मंजूरी दी है. अगली पीढ़ी के युद्धपोत, टैंक-रोधी निर्देशित मिसाइलों के साथ बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, हथियार खोजनेवाले राडार और पुल बिछानेवाले टैंकों के आने से देश की सैन्य क्षमता बढ़ेगी. रक्षा पर विदेशी खर्च कम होगा और भारतीय रक्षा उद्योग को प्रोत्साहन मिलेगा. करीब 36000 करोड़ रुपये की लागत वाले अगली पीढ़ी के लड़ाकू जलपोत का प्रयोग निगरानी मिशन, एस्कॉर्ट ऑपरेशन, खोज व हमला तथा तटीय रक्षा के लिए किया जायेगा. यह नवीनतम प्रौद्योगिकी आधारित तथा स्वदेश निर्मित है, साथ ही सरकार की पहल 'सागर' (क्षेत्र में सभी के लिए सुरक्षा एवं विकास) को आगे बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण है. डीएसी के स्वीकृत प्रस्तावों में अतिरिक्त डोर्नियर एयरक्रॉफ्ट, सुखोई-30 एयरो इंजन खरीद तथा तटरक्षक में डिजिटलीकरण आदि शामिल है. आयातित हथियारों पर अत्यधिक निर्भरता की सीख रूस-यूक्रेन युद्ध भी है. विशेषज्ञ चेताते रहे हैं कि देश की सैन्य तैयारी, सैन्य हार्डवेयर के विकल्पों को बढ़ाने और आत्मनिर्भरता के लिए स्वदेशीकरण अभियान को तेज करने की आवश्यकता है. मौजूदा वित्तवर्ष में रक्षा मंत्रालय के लिए 5.25 लाख करोड़ रुपये का आवंटन है, जिसका मुख्य रूप से दो उद्देश्य है- रक्षा सेवाओं का आधुनिकीकरण और रक्षा अवसंरचना का विकास. सीमा सड़क अवसंरचना और तटीय सुरक्षा अवसंरचना पर विशेष रूप से फोकस किया जा रहा है. साल 2022-23 में रक्षा सेवाओं के लिए पूंजीगत व्यय 1.52 लाख करोड़ रुपये है. साथ ही, पूंजीगत खरीद बजट का 68 प्रतिशत घरेलू उद्योग के लिए रखा गया है. बीते वर्ष यह 58 प्रतिशत था, इससे रक्षा खरीद में आत्मनिर्भरता के लिए सरकार की मंशा स्पष्ट होती है. उद्योग जगत, स्टार्टअप और अकादमिक क्षेत्र के लिए रक्षा क्षेत्र में शोध एवं विकास को खोलना एक बेहतर पहल है, इससे डीआरडीओ और अन्य संगठनों के सहयोग से निजी क्षेत्र भी सैन्य हथियारों और उपकरणों के डिजाइन और उत्पादन के लिए प्रेरित होंगे. स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (सिपरी) के अनुसार, 2019 में भारत रक्षा खर्च में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश था. देश की सुरक्षा के साथ-साथ भुगतान संतुलन घाटे को कम करने के लिए भी विदेशी हथियार निर्यातकों पर निर्भरता घटाने की आवश्यकता है. इससे रोजगार और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा. हालांकि, देश में रक्षा विनिर्माण की कमी, सरकारी उद्यमों पर अधिक निर्भरता, निवेश जोखिम, बाजार सुरक्षा के अभाव जैसे अहम प्रश्नों पर भी गौर करना होगा. नौकरशाही में देरी और लाइसेंसिंग जैसी स्थायी समस्याएं अभी बरकरार है. नीतियों की बेहतर निगरानी, अनावश्यक प्रतिबंधों को हटाने और सार्वजनिक उद्यमों तथा निजी क्षेत्र के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए उपयुक्त माहौल बनाना होगा, तभी हम आत्मनिर्भरता के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर पायेंगे.

# मसूरी गोली काण्ड के दौरान जेल जाने वाले वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी घनानंद नौटियाल का निधन

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारी मंच द्वारा वरिष्ठ राज्य आंदोलनकारी घनानंद नौटियाल (75) के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए घनानंद नौटियाल जी का अचानक स्वस्थ्य बिगड़ने के कारण AIIMS ले गए जहां उनकी मृत्यु का कर्ण ब्रेन हेमरेज बताया गया। सभी राज्य आंदोलनकारियों को उनकी मृत्यु की सूचना देर से मिली उनके पुत्र मनीष नोटियाल ने जिला अध्यक्ष प्रदीप कुकरेती व रामलाल खंडूड़ी को कल सूचना दी उन्होंने बताया कि हम खुद असमंजस रहे और सूचना नही दे सके। आपको बताते चले कि वह मसूरी से आकर कुछ वर्षो से देहरादून के नत्थूवाला में निवास कर रहे थे। ओमी उनियाल व जगमोहन सिंह नेगी के साथ रविन्द्र जुगरान ने कहा राज्य आंदोलन के दौरान मसूरी गोली काण्ड के दौरान जेल गए साथ ही कई बार जेल भरो धरना प्रदर्शन जलूस इत्यादि से लेकर सभी गोष्ठियों में प्रतिभाग कर राज्य आंदोलन में अपनी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामलाल खंडूरी एवम प्रदीप कुकरेती के साथ ही वीरेन्द्र कुमाई ने कहा वह मसूरी गाइड यूनियन के कोषाध्यक्ष भी रहे साथ राज्य आंदोलन हो या मजदूरों के हक के लिए हमेशा संघर्षरत रहे उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

आज आंदोलनकारियों की सुध लेने को शासन प्रशासन सुध लेने वाला नहीं है जबकि त्याग तपस्या के बाद इस राज्य की परिकल्पना पूरी थी परंतु आज भी राज्य आंदोलनकारियों को अपनी पहचान से लेकर राज्य के मुद्दों को लेकर संघर्ष करना पड़ रहा है परंतु अधिकारी कतई संज्ञान लेने को तैयार नहीं है जो दुखद है। श्रद्धांजलि देने वालों में सुशीला बलूनी ओमी उनियाल , जगमोहन सिंह नेगी , रविन्द्र जुगरान , रामलाल खंडूरी , प्रदीप कुकरेती , केशव उनियाल , वेदा कोठारी , जयदीप सकलानी , सुरेश नेगी , सुदेश सिंह , सत्येंद्र भंडारी , पुष्कर बहुगुणा , राकेश नौटियाल , सुरेश कुमार , प्रमोद पंत , वीरेंद्र सकलानी , मनोज नोटियाल , गौरव खंडूरी , प्रभात डंडरियाल , अंबुज शर्मा , विनोद अस्वाल , सुलोचना भट्ट , राधा तिवारी व प्रभा नैथानी मौजूद रहे।

# भरी दोपहर हाथों में तमंचे लेकर ज्वेलरी शोरूम में घुसे नकाबपोश बदमाश, राहगीरों ने एक को पकड़ा और जमकर की धुनाई

**न्यूज़ वायरस नेटवर्क**

हरिद्वार। रानीपुर कोतवाली क्षेत्र के शिवालिकनगर में बेखौफ बदमाशों ने दिनदहाड़े एक ज्वेलरी शोरूम में घुसकर डकैती की घटना को अंजाम दे डाला। भरी दोपहर हाथों में तमंचे लेकर ज्वेलरी शोरूम में घुसे बदमाशों ने कारोबारी व ग्राहकों को आतंकित कर लाखों के जेवर और नकदी समेट ली।

विरोध करने पर बदमाशों ने तमंचे की बट से कारोबारी के सिर पर हमला कर दिया। लहुलुहान होने के बावजूद कारोबारी ने हिम्मत नहीं हारी और बदमाश भागने पर मजबूर हो गए। तब कारोबारी और राहगीरों ने एक बदमाश को पकड़कर उसकी जमकर धुनाई की। घटना से दहशत बनी हुई है। एसएसपी डा. योगेंद्र कृष्णसह रावत ने मौका मुआयना कर बदमाशों की तलाश में पुलिस टीमें रवाना कर दी हैं।

पुलिस के मुताबिक शिवालिकनगर में चिन्मय डिग्री कालेज के सामने से शिव मंदिर जाने वाले मार्ग पर प्रदीप कुमार की अमन ज्वेलर्स का शोरूम है। बुधवार दोपहर प्रदीप शोरूम पर बैठे थे। उसी दौरान कुछ ग्राहक आ गए और प्रदीप उन्हें जेवर दिखाने लगे। अचानक चार नकाबपोश बदमाश हाथ में तमंचे लेकर शोरूम में दाखिल हुए और डरा धमकाकर जेवर के डिब्बे उठाने लगे। उनके दो साथी बाहर खड़े होकर निगरानी करने लगे। अचानक बदमाशों के अंदर घुस आने से ग्राहक घबरा गए।

प्रदीप ने हड़बड़ाहट में विरोध करते हुए बदमाशों को धक्का देने का प्रयास किया। एक बदमाश ने तमंचे की बट से प्रदीप के सिर पर हमला कर दिया। जिससे वह लहुलुहान हो गए। इसके बावजूद प्रदीप ने हाथापाई करते हुए शोर मचाया। बाहर से कुछ लोगों को शोरूम की तरफ आता देख बदमाश आनन-फानन में

भागने लगे। अचानक एक बदमाश लडख़ड़ा कर गिर गया। प्रदीप व बाहर मौजूद भीड़ ने उसे पकड़ लिया उसका देशी तमंचा भी कब्जे में ले लिया। जबकि पांच बदमाश तीन बाइकों पर फरार हो गए।

पुलिस के आने तक भीड़ ने बदमाश के हाथ बांध दिए। दिनदहाड़े डकैती की सूचना से पुलिस में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. योगेंद्र सिंह रावत और एसपी सिटी स्वतंत्र कुमार के अलावा पुलिस व एसओजी टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर सर्राफा कारोबारी से वारदात की जानकारी ली। बदमाशों की तलाश में पूरे जिले में चेङ्कषकग अभियान चलाया गया, पर बदमाशों का कुछ पता नहीं चल पाया। पुलिस व एसओजी की टीमें पकड़े गए बदमाश से पूछताछ करने में जुटी हैं। एसएसपी ने बताया कि फरार बदमाशों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा।

बदमाशों के शोरूम में घुसने से लेकर कारोबारी प्रदीप के सिर पर हमला करने और फरार होने तक पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरे में नकाबपोश बदमाश अंदर घुसकर जेवर-नकदी समेटते और कारोबारी प्रदीप पर हमला करते नजर आ रहे हैं। बाहर लगे कैमरों में बदमाश आनन-फानन में बाइक पर फरार होते दिखे। हालांकि बदमाशों ने अपने चेहरे ढके हुए थे, अलबत्ता उनकी बाइक कैमरे में साफ नजर आ रही हैं। सबसे अहम बात यह है कि उनका एक साथी पुलिस की हिरासत में है, उससे पूछताछ कर फरार बदमाशों के नाम पते उगलवाने का प्रयास चल रहा है।

बदमाशों ने अचानक ही शोरूम में घुसकर डाका नहीं डाला। इसके लिए रैकी करने के साथ ही पूरी योजना बनाई गई थी। शिवालिकनगर में दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। पानी की टंकी के पास जिस जगह पर अमन ज्वेलर्स शोरूम है, वहां शाम के समय काफी चहल पहल रहती है। नजदीक ही मशहूर बर्गर टिक्की की ठेली लगने पर दोपहर बाद से ही जमावड़ा लगने लगता है। इसलिए उन्होंने सुबह या शाम के समय भीड़ से बचने के लिए दोपहर का वक्त चुना। शिवालिकनगर में ज्यादातर गलियां एक दूसरे से क्रास होकर आर-पार निकलती हैं। बावजूद इसके, यहां पहली बार आने वाला व्यक्ति रास्ता भटक जाता है, लेकिन बदमाश आने और जाने के रास्तों से वाकिफ थे। इससे साफ है कि बदमाश कई बार शोरूम के आस पास का इलाका छान चुके थे।

# रुड़की के महापौर का ही था 25 लाख रुपये मांगने का आडियो! फारेंसिक जांच में निकली मिलती-जुलती आवाज

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

रुड़की। लीज संपत्ति नवीनीकरण के नाम पर 25 लाख मांगने के मामले में नगर निगम रुड़की के महापौर गौरव गोयल की मुश्किलें बढ़ गई हैं। मामले में जिस आडियो को महापौर झूठा बताते हुए इसे साजिश करार दे रहे थे, विधि विज्ञान प्रयोगशाला देहरादून ने उस आडियो को महापौर गौरव गोयल की आवाज से मिलती-जुलती बताया है। इसके बाद पुलिस ने महापौर गौरव गोयल के विरुद्ध आगे की कार्रवाई के लिए शासन से अनुमति मांगी है।

23 जनवरी को रुड़की के राजपूतान मोहल्ला निवासी सुबोध कुमार ने रुड़की कोतवाली में महापौर गौरव गोयल के खिलाफ काम के एवज में 25 लाख रुपये मांगने को लेकर तहरीर दी थी। जिसमें सुबोध कुमार ने कहा था कि मथुरादास एवं ओमप्रकाश के नाम पर तीन लीज संपत्ति हैं। 30-30 साल बाद इनका नवीनीकरण होता आया है। उन्होंने लीज के नवीनीकरण के लिए नगर निगम में प्रार्थना पत्र दिया था।

नगर निगम की ओर से नवीनीकरण न करने पर उन्होंने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। इस पर 13 दिसंबर 2021 को उच्च न्यायालय ने दो माह के अंदर नगर निगम की बैठक बुलाकर इसके निस्तारण के आदेश दिए थे। वह 20 दिसंबर को महापौर से मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि महापौर गौरव गोयल ने उन्हें कहा था कि 25 लाख रुपये देने के बाद ही इस संपत्ति की लीज का नवीनीकरण किया जाएगा। उन्होंने रुपये देने से इन्कार कर दिया था। आरोप लगाया कि महापौर गौरव गोयल ने इस मामले में दो बार फोन कर उनसे रकम की मांग की। इसके बाद आठ जनवरी 2022 को नगर निगम बोर्ड की बैठक बुलाई गई। लेकिन, उनके मामले में कोई निर्णय नहीं हो सका।

उन्होंने बताया कि महापौर का एक आडियो भी इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहा है। कोतवाली रुड़की पुलिस ने दर्ज मुकदमे में इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो रहे महापौर के कथित आडियो को भी बतौर साक्ष्य शामिल किया था। साथ ही आडियो को देहरादून स्थित विधि विज्ञान प्रयोगशाला जांच के लिए भेजा गया था। मामले की जांच कर रहे उपनिरीक्षक संजय नेगी ने बताया कि विधि विज्ञान प्रयोगशाला से आडियो की जांच रिपोर्ट आ गई है, जिसमें महापौर गौरव गोयल की आवाज का सैंपल व आडियो की आवाज को मिलती-जुलती बताया गया है।

जांच रिपोर्ट आने के बाद अब मामले में आगे की कार्रवाई के लिए शासन को लिखा जा रहा है। उन्होंने बताया कि गौरव गोयल महापौर के पद पर हैं। इसलिए आगे की कार्रवाई के लिए शासन से अनुमति ली जा रही है। इधर, महापौर गौरव गोयल का कहना है कि वायरल आडियो की कोई जांच रिपोर्ट आई है। यह मामला उनके संज्ञान में नहीं है। वह इस संबंध में जानकारी लेंगे।

# इंजीनियरिंग कॉलेज में बवाल, छात्रों ने कैंटीन का खाना खाने से किया इनकार, मौके पर पहुंचे विधायक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज के छात्रावास में भोजन को लेकर विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को बालक छात्रावास के छात्रों ने एक्सपायरी डेट की खाद्य पदार्थ से तैयार भोजन परोसने का आरोप लगाते खरीखोटी सुनाई। उन्होंने कैंटीन में बन रहे भोजन खाने से इनकार कर दिया।

बुधवार को भी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज में भोजन को लेकर बवाल हो गया। छात्रों ने स्टोर में रखे चावल, आटा, तेल, दाल, मसाला नमक, समेत खाद्य पदार्थ के एक्सपायर होने की शिकायत करते हुए संस्थान के उप कुलसचिव विक्रांत कुमार और चीफ वार्डन डा. संजय रावत, कैंटीन संचालक के प्रतिनिधियों को भी मौके पर बुलाया।

छात्र क्षितिज शर्मा, हर्षवर्द्धन, विश्व प्रताप, निखिल, अनिश, सचिन चौहान, विनय रमोला, सत्यम राणा, केशव आदि ने बताया कि 80 छात्र छात्रावास में रहते हैं। आठ छात्र घटिया भोजन खाने के कारण बीमार हो गए हैं, जिन्हें परिजन अपने घर ले गए हैं। भोजन की गुणवत्ता ठीक न होने से कई अन्य छात्रों के पेट में दर्द हो रहा है। कॉलेज प्रबंधन तंत्र और कैंटीन संचालक से कई बार शिकायत करने पर भी समस्या का समाधान नहीं हो रहा है।

छात्रों की शिकायत पर स्थानीय विधायक किशोर उपाध्याय ने मौके पर पहुंचकर समस्याएं सुनी। कहा कि छात्रावास में एक्सपायरी डेट के खाद्य पदार्थ से बना भोजन छात्रों को दिया जाना गंभीर चिंता का विषय है। उन्होंने तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल, सचिव रविनाथ रमन और डीएम इवा आशीष श्रीवास्तव से फोन बात कर तत्काल कार्रवाई करने को कहा। कहा कि बृहस्पतिवार (आज) भागीरथीपुरम में कॉलेज प्रबंधन में छात्र-छात्राओं और प्रशासन के साथ बैठक की जाएगी। उप कुलसचिव विक्रांत ने बताया कि वैकल्पिक तौर पर छात्रों के खाने की व्यवस्था दूसरी कैंटीन में कर दी गई है।

# जल्द मिलेगी भीषण गर्मी से राहत, मौसम विभाग ने कहा- 15 जून से मध्य और उत्तर भारत में आएगा मॉनसून

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कई राज्यों में गर्मी से बुरा हाल है ऊपर से गर्म हवा लोगों को काफी परेशान कर रही है। लेकिन अब इस झुलसाने वाली गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम विभाग के मुताबिक 15 जून से मध्य और उत्तर भारत में मॉनसून आने के आसार हैं और बारिश शुरू होते ही इस गर्मी से राहत मिलेगी।

आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजन महापात्रा ने कहा, भविष्यवाणी के मुताबिक 15 जून से बारिश शुरू हो सकती हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि बारिश होने से धान, मक्का, कपास, सोयाबीन, गन्ना और मूंगफली की फसल बोने में आसानी होगी।

भारत में ज्यादातर कृषि मॉनसून के हिसाब से होती है। पूरे साल की 70 फीसदी बारिश मॉनसून सीजन में ही होती है। मौसम विभाग के मुताबिक असम, सिक्किम, दक्षिणी पश्चिमी बंगाल, तमिलनाडु, मेघालय कर्नाटक और आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में अच्छी बारिश हुई है। वहीं इस बार भी उत्तर भारत के क्षेत्रों में अच्छी बारिश के आसार हैं।

बता दें कि इस समय उत्तर भारत भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। गर्मी से राहत पाने के लिए लोगों को बारिश का इंतजार है। मॉनसून से पहले की बारिश की कमी के चलते फसलों पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है।

देश को गर्मी से राहत देने और प्यास बुझाने वाला वाला दक्षिण-पश्चिम मानसून धीमे-धीमे बढ़ रहा है। यह बीते छह दिनों से स्थिर था। अभी यह कोंकण से कुछ दूर है। अगले दो दिनों में यह मुंबई पहुंच सकता है। इसके असर से महाराष्ट्र के कई में भारी बारिश होगी और इसका वेग बढ़ा तो मध्य प्रदेश, गुजरात के कुछ हिस्सों को भी तर कर देगा।

दिल्ली एनसीआर के कुछ क्षेत्रों में पारा 45 डिग्री पार कर रहा है, इसलिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है। इसका मतलब है कि जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकलें और निकलें तो लू से बचाव के इंतजामों के साथ ही बाहर आएं।

# पूर्वी यूक्रेन में सेवेरोदोनेस्क के बड़े हिस्से पर रूसी कब्जा

नई दिल्ली, एजेंसी। रूसी सेना पूरी ताकत से दोनबास इलाके पर कब्जे में जुटी हुई है। यूक्रेन युद्ध के 105वें दिन रूसी रक्षा मंत्रालय ने एक निर्णायक सफलता का दावा किया है। रूस के मुताबिक, उसने पूर्वी यूक्रेन में कब्जाए दोनबास क्षेत्र को क्रीमिया की जमीनी सीमा से एक लैंड कॉरिडोर के जरिये जोड़ दिया है।इसी बीच सिविरोदोनेस्क के गवर्नर ने कहा कि पूर्वी यूक्रेन के सेवेरोदोनेस्क शहर का अधिकांश क्षेत्र रूस के नियंत्रण में आ चुका है।

मॉस्को ने दावा किया कि उसकी सेना ने सैकड़ों मील ट्रैक की मरम्मत की और रूस के प्रमुख उद्देश्यों में से एक को पूरा कर लिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यूक्रेन के कब्जे वाले क्षेत्र को क्रीमिया से जोड़ने के बाद इस रूट पर लोगों और सामानों की आवाजाही शुरू हो गई है। रूस के रक्षामंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा, रूसी रेलवे और सेना एक साथ काम कर रही है। 1200 किमी की रेल पटरी शुरू हो गई है जिससे पूर्वी यूक्रेन और क्रीमिया के बीच सुगम यातायात शुरू हो गया है। उधर, मैक्सार तकनीक से एकत्र उपग्रह तस्वीरों में सेवेरोदोनेस्क शहर में टूटी छतों और जलती इमारतें रूसी सेना की क्रूरता के निशान दिखा रही हैं। यदि रूस ने इस पर कब्जा कर लिया तो उसका दोनेस्क के प्रमुख शहर क्रामाटोर्स्क के लिए रास्ता खुल जाएगा।

रूस ने यूक्रेन से क्रीमिया को 2014 में अलग कर दिया और वहां अपना कब्जा कर लिया था। इसके बाद रूस को पश्चिमी देशों ने जी-8 से हटा दिया और जी-7 बना लिया। हालांकि रूस के इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है लेकिन यदि दोनेस्क क्षेत्र से क्रीमिया का रास्ता खुल गया तो रूस की निर्णायक जीत होगी। रूसी रक्षामंत्री शोइगु ने आगे कहा कि उत्तरी क्रीमिया नहर जिसे क्रीमिया की लाइफलाइन कहा जाता है उसके पानी की आपूर्ति भी शुरू कर दी है।

## पिछले 24 घंटे में मिले 17 नए मरीज, देहरादून में सबेस अधिक 50 मामले

देहरादून। प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 17 नए मरीज मिले हैं, जबकि 12 मरीज ठीक हुए हैं। अब कोविड के 66 एक्टिव केस हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी जानकारी के मुताबिक, मंगलवार को पिछले 24 घंटे में सामने आए 17 मामलों में देहरादून में सर्वाधिक 11, पौड़ी में तीन, नैनीताल, टिहरी और उत्तरकाशी में एक-एक मरीज हैं। अब कुल 66 एक्टिव केस में से देहरादून में सर्वाधिक 50 केस हैं।

उधर, मंगलवार को प्रदेश में 8716 लोगों को कोरोना वैक्सीन दी गई। वहीं मंगलवार को घंटे के भीतर सात नए कोरोना संक्रमित मिले हैं, जबकि 16 मरीज ठीक हुए हैं। 64 सक्रिय मरीजों का इलाज चल रहा है। तीसरी लहर में कुल संक्रमितों की संख्या 92881 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक सोमवार को 1356 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। तीन जिलों में सात लोग कोरोना संक्रमित पाए गए। देहरादून जिले में पांच, चमोली और टिहरी जिले में एक-एक संक्रमित मिला है।

दैनिक
न्यूज वायरस
न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।
सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002
email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा